IJARSCT
ISSN (Online) 2581-9429
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology (IJARSCT)
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
Impact Factor: 7.301
Volume 3, Issue 2, July 2023

# आदिवासी क्षेत्र पुष्पराजगढ़ में स्वास्थ्य सुवधाओं के विविध आयाम

चतुर्भुज विश्वकर्मा
शोधार्थी–भूगोल, शोध केन्द्र शास. ठाकुर रणमत सिंह महाविद्यालय, रीवा (म.प्र.)
डॉ. सी. पी. तिवारी
सेवानिवृत्त प्राध्यापक भूगोल, शासकीय महाविद्यालय , रायपुरकर्चुलियान, जिला–रीवा (म.प्र.)

**शोध–सारांश**

सार्वजनिक स्वास्थ्य और अस्पताल राज्य का विषय है, आदिवासी बहुल क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधाओं की पहुंच सहित स्वास्थ्य सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने की प्राथमिक जिम्मेदारी मध्य प्रदेश सहित संबंधित राज्य सरकारों की है। हालाँकि, भारत सरकार का स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय एनएचएम के माध्यम से सार्वजनिक स्वास्थ्य सुविधाओं को मजबूत करने के लिए राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों को तकनीकी और वित्तीय सहायता प्रदान करता है। प्रस्तुत शोध पत्र मध्य प्रदेश के पूर्वोत्तर स्थित अनूपपुर जिला के पुष्पराजगढ़ तहसील अन्तर्गत निवास कर रहे आदिवासियों के स्वास्थ्य सम्बन्धी विविध आयामों को विवेचन किया गया है।

**मुख्य शब्द** :–आदिवासी, क्षेत्र, पुष्पराजगढ़, स्वास्थ्य, सुवधाओं, विविध, आयाम, शारीरिक, उपलब्धता, अस्पताल, परिवारकल्याण, सार्वजनकि संस्था ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन

**संदर्भ स्रोतः**

1. **सर्वेश तिवारी** –रीवा षहर मे मानव स्वास्थ्य पर प्रदूषण के प्रभाव एक भौगोलिक अध्ययन अप्रकाषित षोध प्रबंध अ.प्र. सिं. वि. वि. रीवा
2. **विष्व स्वास्थय संगठन के अनुसार** –'Health is a status of complete physical mental and social well being and not merely the absence of disease or dinfirmity'
3. **आचार्य चतुरसेन** – आरोग्य शास्त्र – प्रभात प्रकाषन दिल्ली पृ. सं. 137
4. **के. के. वर्मा**– स्वास्थ्य षिक्षा टन्डन पबिलक लुधियाना 1999–पृ.07
5. तिवारी, चन्द्रमणि, जनजातीय पर्यावरण,आशा पब्लिशिंग, आगरा, 1999
6. Sharma, S.K. (1989) Ecology and Development of land Resource with Special reference to Tribal zone of M.P.